क्रोन डिसिज एवं अल्सरेटीव कोलायटीस

यह रोग अदृश्य बीमारी मानी जाती है ।

क्रोन डिसिज इस रोग मे पाचन संस्था के विभिन्न अवयवो मे पीडा होती है ।आतडियों के भीतरी हिस्से मे पीडा के चलते मुख अन्ननलिका एवं जठर के आंतरिक स्तर पर भी बाधा उत्पन्न होती है ।

रोग के कारण : क्रोन डिसिज किस कारण होती यह अज्ञात है, किंतु परिवार मे अगर किसी सदस्य को यह रोग है ,तो संभावना बढ जाती है ।अन्ननलिका से जीवाणू अथवा विषाणुओं को प्रतिकारात्मक शक्ती के माध्यम से अधिक प्रतिसाद मिलने के कारण पीडा होकर जख्म होते है । धुम्रपान से डिसीज का प्रमाण बढता है ।

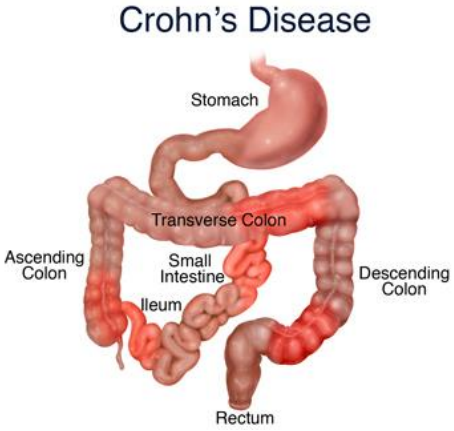

क्रोन डिसिज के चिन्ह एवं लक्षण-

- पेट के दाये हिस्से के निचले भाग मे पीडा होना
- काले रंग के दस्त अथवा रक्तयुक्त डायरिया
- बुखार
- हमेशा से अधिक थकावट
- भूख का कम होना
- वजन कम होना तथापि बालकी वृध्दी मे रुकावट
- जी मचलना

उपचार: अन्ननलिका की पीडा कम करने हेतु दवाईयोंका उपयोग किया जा सकता है । जीवाणू के फैलने पर रोकधाम के लिए प्रतिजैविक (Antibiotic) का उपयोग किया जा सकता है ।तथापि डायरिया को रोकने हेतू दवाईयों का उपयोग किया जा सकता है ।प्रतिकारात्मक शक्ती पर नियंत्रण हेतू उपयुक्त दवाओं का प्रयोग करे (Immune Suppressants)

नॉन स्टीरॉयडल ॲन्टी इन्फ्लेमेटरी दवाये वेदनामुक्त होती है फैलाव कम होता है ।

- ॲन्टी इन्फ्लेमेटरी जोडो एवं नसों मे दर्द एवं सूजन कम करता है ।
- **स्टेरॉइडस्:** इस प्रकार की दवाये परिवर्तन लाती है उवं परिणामकारक होती है ।पीडा कम करती है।तथा नसों एवं मज्जातंतुओं को दुरुस्त रखती है ।
- **प्रतिकार शक्ती को प्रभावी करनेवाली दवाये** : प्रतिकारशक्ती को कम प्रतिसाद देती है ।

- **जीवनसत्व:** शरीर की सामान्य क्रिया व्यवस्थित चले वृध्दी एवं विकास केलिए सहाय्यक होते है ।
- **प्रतिजैविक (Antibiotics)** : जीवाणूओं की वृध्दी पर रोकधाम एवं उन्हे पुर्ण रुप से मारकर समाप्त करना
- **शल्यक्रिया:** अन्न नलिका मे रुकावटे दु करने तथापि रक्त को बहने से रोकने एवं रोग के अन्य लक्षण कम करने के लिए शल्यक्रिया आवश्यक हो सकती है ।चिकित्सक आतडियोंका क्षीण हिस्सा निकालकर शेष उचित हिस्से के जोड देते है ।कोलोस्टोमी यानि बडी आंत एवं नलिका की शल्यक्रिया कर जगह स्थापित कर देते है ।

अल्सरेटिव कोलायटिस

अल्सरेटिव कोलायटिस बडी आंत मे सूजन एवं पीडा होती है । द्रव्य एवं प्रतिकारशक्ती के बिगडने से यह रोग होता है ।विभिन्न विषाणूओं एवं जीवाणूओं के कारण भी कोलायटीस हो सकता है ।किंतु इसका कारण पर्याप्त नही है ।

लक्षण: दस्त पेट मे दर्द बुखार , संडास मे रक्तस्त्राव एवं त्वचा का गिरना

उपचार: पेट मे पृष्ठभाग की पीडा कम करने के लिए दवाईयाँ दी जाती है ।

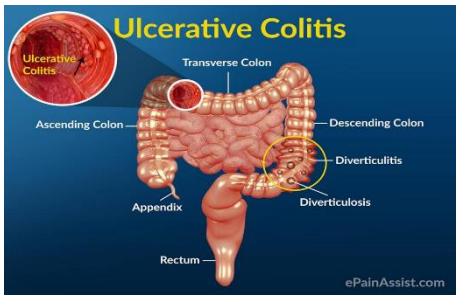

लक्षणो की व्यवस्थापन:

- सुचना के अनुरुप अन्य पदार्थो का प्रयोग करे, जिससे शरीर मे पानी की मात्रा बढती है ।पानी ज्युस दोनो पिये प्रमाण की मात्रा सुचनाअनुसार ले पानी का स्तर बढने के लिए ORS देना चाहिए ।जिसमे पानी शक्कर एवं नमक का मिश्रण रहता है ।यह शरीर मे पानी का स्तर बना रहता है ।तथापि दस्त के कारण गिरे स्तर को व्यवस्थित रखता है ।
- विविध प्रकार का पोषक आहार लेना चाहिए ,जिसमे फल सब्जियाँ दानेदार बीज से तैय्यार ब्रेड फल्ली कम वसायुक्त दुग्ध उत्पादन , मटन चिकन मछली का समावेश है । एक ही समय मे भरपेट खाना खाने से थोडी थोडी देर मे खाना चाहिए ।मसालेदार पदार्थ, कॉफी चॉकलेट अधिक वसायुक्त पदार्थो को टालना चाहिए ।

Reference : Micromedex online solution